

## भारत में राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियाँ

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने अपने बेटे हंटर बाईडेन के लिये 'पूर्ण और गैर शर्त क्षमा' जारी की, जिसे ड्रग्स का उपयोग करते हुए अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने और कर-संबंधी अपराधों के लिये सज़ा का सामना करना पड़ा था।

- इससे भारत में राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति के बारे में चर्चा शुरू हो गई है।

### भारत में राष्ट्रपति के क्षमादान की शक्ति क्या है?

- **क्षमादान शक्तियाँ:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 72 भारत के राष्ट्रपति को नमिनलखिति मामलों में किसी अपराध के लिये दोषी ठहराए गए किसी व्यक्ति को क्षमादान देने, सज़ा माफ करने या उसे कम करने, सज़ा में राहत या छूट प्रदान करने या सज़ा में राहत देने का अधिकार देता है:
  - इसकी सज़ा कोर्ट मार्शल द्वारा दी जाती है।
  - इस सज़ा में मृत्युदंड (मृत्युदंड) शामिल है।
  - यह सज़ा संघीय वधि के तहत अपराधों के लिये दी गई है।
- **महत्त्व:** यह शक्ति सुनिश्चिती करती है कि राष्ट्रपति संभावित न्यायिक त्रुटियों को सुधार सकते हैं या मानवीय आधार पर वधिार करने की आवश्यकता वाली स्थितियों में क्षमादान दे सकते हैं।
- **सीमाएँ:** राष्ट्रपति इस शक्ति का स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं कर सकते। नरिणय मंत्रपरिषद की सलाह के अनुरूप होने चाहिये।
- इस सदिधांत को भारत के उच्चतम न्यायालय (SC) द्वारा नमिनलखिति ऐतहासिक मामलों में बरकरार रखा गया:
  - 1980: उच्चतम न्यायालय ने माना कि क्षमादान देने की शक्ति का प्रयोग नषिपक्ष, तर्कसंगत और गैर-मनमानी के कथिया जाना चाहिये, जिससे न्याय और संतुलन सुनिश्चिती हो सके।
  - 1988: उच्चतम न्यायालय ने माना कि राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति न्यायपालिका से स्वतंत्र है, लेकिन प्रक्रियात्मक नषिपक्षता सुनिश्चिती करने के लिये इसकी समीक्षा की जा सकती है। समीक्षा संवैधानिक सदिधांतों और प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं के पालन पर केंद्रित है, न कि नरिणय की योग्यता पर।

क्षमादान के प्रकार	परभाषा
क्षमा	यह सज़ा और दोषसदिधिदोनों को हटा देता है, तथा अपराधी को सभी दंडों और अयोग्यताओं से मुक्त कर देता है।
वनिमिय	एक वशिषि्ट प्रकार के दण्ड को सामान्य दण्ड से प्रतसिथापति करना।
छूट	किसी सज़ा की प्रकृति में परिवर्तन कथिे बगैर उसकी अवधि कम कर देना।
राहत	शारीरिक वकिलांगता या गर्भावस्था जैसी वशिष परसिथितियों के कारण सज़ा न्यूनतम कर दी जाती है।
दण्डवराम	क्षमा या सज़ा में परिवर्तन के लिये समय देने हेतु सज़ा के क्रयान्वयन पर अस्थायी रोक लगा दी जाती है।

**नोट:** राज्य का राज्यपाल अनुच्छेद 161 के तहत क्षमादान शक्तियों का प्रयोग करता है, हालाँकि राष्ट्रपति की शक्ति की तुलना में इसमें सीमाएँ भी हैं।

- राज्यपाल राज्य कानून के तहत किसी अपराध के लिये दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति की सज़ा को माफ कर सकता है, रोक सकता है, राहत दे सकता है, नलिंबति कर सकता है या उसे कम कर सकता है।
- राज्यपाल मृत्युदंड को नलिंबति, माफ या परिवर्तित कर सकता है, लेकिन उसे माफ नहीं कर सकता।
- राष्ट्रपति कोर्ट मार्शल से संबंधित मामलों में क्षमादान दे सकते हैं, हालाँकि अनुच्छेद 161 राज्यपाल को यह शक्ति प्रदान नहीं करता है।

### अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान

- अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति को "महाभियोग के मामलों को छोड़कर, संयुक्त राज्य अमेरिका के वरिद्ध अपराधों के लिये राहत और क्षमा देने" की

शक्ति प्रदान करता है।

- यह कार्यकारी शक्ति विशेष रूप से संघीय अपराधों पर लागू होती है तथा राज्य स्तरीय अपराधों या महाभियोग मामलों तक वस्तुतः नहीं होती है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pardoning-powers-of-the-president-in-india>

